RAJHIN/2014/55262

sancharjagat.com

खबरों व विज्ञापन
के लिए सम्पर्क करें
संचार जगत
मो.नम्बर:- +917357161599

संचार जगत
दैनिक समाचार पत्र
sancharjagat.com
editorial@sancharjagat.com

'सोच को इतना बड़ा रखो कि असफलता भी एक छोटा कदम लगे। सफलता कोई मंजिल नहीं, यह एक दिशा है। बड़ा सोचो, बड़ा करो।'

वर्ष:13 | अंक: 290 जयपुर, सोमवार, 23 नवम्बर 2026 मूल्य: 2.00 रूपए पृष्ठ : 4

बेपीकोलंबो मिशन ग्रह के रहस्यों से उठेगा पर्दा, बेहद प्रतिकूल परिस्थितियों में काम कर रहा अंतरिक्ष यान

8 साल की यात्रा के बाद बुध की कक्षा में पहुंचे दो अंतरिक्ष यान

नई दिल्ली/संचार जगत

करीब 10 अरब किमी की आठ साल लंबी यात्रा पूरी करने के बाद बेपीकोलंबो अंतरिक्ष यान अपने अंतिम गंतव्य पर पहुंच गया है और अब बुध ग्रह की कक्षा में है। यह अंतरिक्ष यान बेहद प्रतिकूल परिस्थितियों में काम कर रहा है।

बुध सूर्य के सबसे नजदीक स्थित ग्रह है, जहां तापमान 430 डिग्री से. तक पहुंच जाता है और फिर गिरकर शून्य से 180 डिग्री से. नीचे तक चला जाता है। इसके अलावा, यह ग्रह लगातार तीव्र सौर विकिरण की चपेट में रहता है। अब तक इस ग्रह के बारे में बहुत कम जानकारी मिल पाई है, लेकिन उम्मीद है कि यह मिशन बुध के कई बड़े रहस्यों से पर्दा उठाएगा। इनमें यह पता लगाना भी शामिल है कि सूर्य के इतने करीब होने के बावजूद बुध के गड्ढों में बर्फ क्यों मौजूद है और इसकी पूरी सतह पर बिखरी रहस्यमयी गड्ढेनुमा संरचनाएं कैसे बनी हैं।

नासा के मिशन के दो अंतरिक्ष यान पहुंचे बुध ग्रह



अब तक केवल दो अंतरिक्ष यान बुध तक पहुंचे हैं और दोनों अमेरिकी अंतरिक्ष एजेंसी नासा के मिशन थे। मेरिनर-10 ने 1970 के दशक में बुध के पास से तीन बार उड़ान भरी थी। इसके बाद मैसेंजर अंतरिक्ष यान 2011 में बुध पहुंचा और चार साल तक उसकी कक्षा में रहा। हालांकि, इस छोटे से ग्रह के बारे में अभी बहुत कुछ जानना बाकी है। बुध का आकार चंद्रमा से थोड़ा ही बड़ा है। इसकी सतह पर प्राचीन ज्वालामुखी, ऊंची चट्टानी चट्टानें और विशाल गड्ढे मौजूद हैं। बुध पर समय का गुजरना भी बेहद दिलचस्प है। यह ग्रह सूर्य की परिक्रमा बहुत तेजी से करता है और वहां एक साल पृथ्वी के केवल 88 दिनों के बराबर होता है। लेकिन अपनी धुरी पर यह बेहद धीमी गति से घूमता है, इसलिए वहां एक दिन पृथ्वी के 59 दिनों के बराबर होता है। ध्रुवीय क्षेत्रों में स्थित गड्ढों में बर्फ की मौजूदगी का पता लगाने के अलावा यह मिशन ग्रह की सतह पर मौजूद अजीबोगरीब धंसावों का भी अध्ययन करेगा। बुध की सतह पर ऐसे हजारों धंसाव हैं। ये उथले हैं, लेकिन इनके किनारे खड़े और तीखे हैं। अक्सर ये समूहों में दिखाई देते हैं। ग्रहों के भूवैज्ञानिक पैमाने पर ये अपेक्षाकृत युवा हैं और इनकी उम्र करीब एक लाख साल आंकी गई है।

अंतिम प्रक्रिया जोखिम भरी, 37 मिनट तक कम की यान की गति

एक रिपोर्ट में इस मिशन की प्रमुख अनुसंधानकर्ताओं में शामिल लिस्टर विवि की प्रो. एम्मा बन्स के हवाले से कहा गया कि मुझे लगता है कि आंतरिक सौरमंडल में बुध ग्रह को अपेक्षाकृत कम महत्व दिया गया है, लेकिन यही एक वजह है कि यह इतना दिलचस्प है। इसलिए पूरी यात्रा के दौरान इसकी गति नियंत्रित रखनी पड़ी। बुध की कक्षा में पहुंचने के लिए इसने बेहद घुमावदार रास्ता अपनाया। इस दौरान यान ने पृथ्वी की एक बार, शुक्र की दो बार और बुध की छह बार परिक्रमा की, ताकि इसकी गति इतनी कम हो सके कि यह ग्रह की कक्षा में प्रवेश कर सके। यह यात्रा सात साल में पूरी होनी थी, लेकिन बेपीकोलंबो की प्रणोदन प्रणाली में आई समस्या के कारण पहले से ही लंबी इस यात्रा में एक साल और जुड़ गया। कक्षा में प्रवेश के लिए अंतिम प्रक्रिया बेहद जोखिम भरी थी। इसमें 37 मिनट तक यान की गति को अचानक कम करने की प्रक्रिया अपनाई गई, जिससे बुध का गुरुत्वाकर्षण उसे अपनी ओर खींच सके। यूरोपीय अंतरिक्ष एजेंसी ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर बताया कि अंतरिक्ष यान से संपर्क स्थापित हो गया।

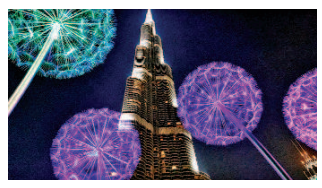
बुर्ज खलीफा पर न्यू ईयर 2027 का प्लान हुआ जारी

31 दिसंबर : पहली बार काउंटडाउन शो का हिस्सा होंगे सर्क डु सोले के 100 कलाकार

नई दिल्ली/संचार जगत

दुबई का बुर्ज खलीफा हर साल न्यू ईयर की रात होने वाली शानदार आतिशबाजी के लिए दुनियाभर में चर्चा में रहता है। लेकिन इस बार एमार ने न्यू ईयर 2027 के लिए एक खास कार्यक्रम की घोषणा की है, जिसमें पहली बार सर्क डु सोले के कलाकार भी बुर्ज खलीफा के सामने होने वाले काउंटडाउन का हिस्सा होंगे।

यानी 31 दिसंबर 2026 को डाउनटाउन दुबई में होने वाले एमार न्यू ईयर 2027 समारोह



में सर्क डु सोले की विशेष लाइव प्रस्तुति पेश की जाएगी। सर्क डु सोले की विशेष प्रस्तुति में करीब 100 कलाकार शामिल होंगे। इसके लिए एक फ्लोटिंग थिएटर तैयार किया जाएगा। यानी पानी के बीच तैयार मंच पर कलाकार अपनी पेशकश देंगे और पीछे बुर्ज खलीफा का शानदार नजारा दिखाई देगा।

1600 करोड़ के पार पहुंची रणबीर कपूर की रामायण

भारत में हुई 900 करोड़ की कमाई



मुम्बई, आरएनएन। नितेश तिवारी के निर्देशन में बनी रामायण को सिनेमाघरों में रिलीज हुए 17 दिन हो गए हैं और ओपनिंग डे से ही इसका बॉक्स ऑफिस पर शानदार प्रदर्शन जारी है। तीसरे शनिवार को भी कुछ ऐसा ही देखने को मिला। शुक्रवार, 20 नवंबर को फिल्म की कमाई में कुछ गिरावट देखने को मिली थी, लेकिन शनिवार आते ही रणबीर कपूर, साई पल्लवी और यश स्टारर इस फिल्म ने फिर रफ्तार पकड़ ली है।

यह फिल्म हिंदी के साथ-साथ मलयालम, तमिल, कन्नड़ और तेलुगु भाषाओं में भी दर्शकों को आकर्षित कर रही है। इसके हालिया कलेक्शन के आंकड़े बताते हैं कि फिल्म को लेकर अभी भी दर्शकों में जबरदस्त क्रेज है। अब फिल्म के 17वें दिन के आंकड़े भी सामने आ गए हैं, तो चलिए जानते हैं इस फिल्म ने अब तक कितनी कमाई कर ली है।

ट्रेलर-कार की टक्कर में एक ही परिवार के 7 लोगों की मौत

हादसे में 2 पुरुष, 2 महिलाएं और 3 बच्चों की गई जान

नई दिल्ली/संचार जगत

गुजरात के भुज-खावड़ा नेशनल हाईवे पर भीषण सड़क हादसा हुआ है। इस हादसे में एक ही परिवार के 7 लोगों की मौत हो गई है। हादसे में 2 पुरुष, 2 महिलाएं और 3 मासूम बच्चों की मौत हुई है। मिली जानकारी के मुताबिक, ट्रेलर और कार की टक्कर की वजह से ये हादसा हुआ है।

भुज में तैनात उत्तराखंड के एक आर्मी जवान का परिवार और अन्य रिश्तेदार इस दर्दनाक हादसे का शिकार हुए। ये हादसा इतना भयानक था कि कार के परखच्चे उड़ गए। देर

सड़क पर बिखरे मिले सभी के शव



रात हुए इस दर्दनाक हादसे से मौके पर हड़कंप मच गया, क्योंकि मौके पर शव सड़क पर बिखरे हुए पड़े थे।

कोटा में सड़क हादसे में 9 तीर्थयात्रियों की गई जान

राजस्थान के कोटा-उदयपुर हाईवे पर शंभूपुरा के पास तीर्थयात्रियों से भरा एक वाहन खड़े ट्रक से टकरा गया था, जिसमें 9 लोगों की मौत हो गई और कई लोग घायल हो गए। कोटा के अतिरिक्त जिला कलेक्टर राजेश जोशी ने बताया, शंभूपुरा के पास, आधी रात को 16 लोगों को ले जा रहा एक वाहन ट्रक से टकरा गया। यह एक बेहद दुखद और दर्दनाक हादसा था, जिसमें 9 लोगों की जान चली गई। वे खाटू श्याम के दर्शन करके महाराष्ट्र लौट रहे थे। वे सभी एक ही परिवार के थे। अभी हमारी प्राथमिकता यह सुनिश्चित करना है कि घायलों को सही इलाज मिले और वे जल्द ठीक हो जाएं। वहीं, हादसे में जान गंवाने वालों का पोस्टमार्टम किया जा रहा है। गौरतलब है कि देश में हर दिन तमाम लोग हादसे का शिकार होते हैं और अपनी जान गंवाते हैं। ऐसे मामलों में सबसे मुख्य वजह यातायात के नियमों का पालन न करना और ड्राइवर की लापरवाही होता है।

भाजपा सांसद का दिल का दौरा पड़ने से निधन

नई दिल्ली, आरएनएन। भाजपा के राज्यसभा सांसद रामराव वडकुते का निधन हो गया है। उन्हें दिल का दौरा पड़ा था। मिली जानकारी के मुताबिक, सीने में तकलीफ की शिकायत के बाद उन्हें दिल्ली के एम्स अस्पताल में इलाज

8 महीने पहले ही पार्टी ने भेजा था राज्यसभा

के लिए भर्ती कराया गया था। इलाज के दौरान ही उन्होंने अंतिम सांस ली।

करीब आठ महीने पहले ही बीजेपी ने उन्हें राज्यसभा भेजा था। राज्यसभा सांसद रामराव वडकुते शेली-मेंढी महासंघ के अध्यक्ष रह चुके थे। वह पहले राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (एनसीपी) के नेता थे और महाराष्ट्र विधान परिषद के सदस्य भी रहे। अक्टूबर 2019 में उन्होंने एनसीपी छोड़कर बीजेपी का दामन थाम लिया था। 2021 में उन्हें हिंगोली बीजेपी जिलाध्यक्ष बनाया गया। उन्होंने हिंगोली लोकसभा क्षेत्र में चुनाव प्रमुख और प्रभारी की जिम्मेदारी भी संभाली।

बिसलेरी में कैंसरकारी रसायनों की मौजूदगी

नई दिल्ली/संचार जगत

- खाद्य सुरक्षा नियामक की जांच में सामने आई गंभीर खामियां
- एफएसएसएआई ने कंपनी के खिलाफ कार्रवाई की दी मंजूरी



देश के प्रमुख पैकेज्ड ड्रिंकिंग वॉटर ब्रांड बिसलेरी को लेकर खाद्य सुरक्षा से जुड़ा गंभीर मामला सामने आया है।

भारतीय खाद्य सुरक्षा एवं मानक प्राधिकरण (एफएसएसएआई) ने बिसलेरी इंटरनेशनल प्राइवेट लिमिटेड के परिसर से लिए गए पैकेज्ड ड्रिंकिंग वॉटर के एक नमूने को असुरक्षित घोषित किया है। प्रयोगशाला की जांच में पानी में निर्धारित ब्रोमेट सीमा का उल्लंघन पाया गया। इसके अलावा, अपील के बाद कराई गई दूसरी जांच में पॉलीन्यूक्लियर एरोमैटिक हाइड्रोकार्बन (पीएएच) की मौजूदगी भी सामने आई है। एफएसएसएआई की ओर से जारी जानकारी के अनुसार, संबंधित नमूना पैकेज्ड ड्रिंकिंग वॉटर (मिनरल वॉटर को छोड़कर) श्रेणी का था।

पानी में कैंसर के खतरे से जुड़े हैं ये रसायन

पीएएच रासायनिक यौगिकों का एक समूह है। इसके कुछ यौगिकों को कैंसरकारी माना जाता है। वहीं, ब्रोमेट को भी संभावित कैंसरकारी पदार्थ के रूप में वर्गीकृत किया गया है। ऐसे में पानी के नमूने में इनकी मौजूदगी से खाद्य सुरक्षा और मानव स्वास्थ्य को लेकर गंभीर चिंताएं पैदा होती हैं।

26/11 जैसे हमले की धमकी, हैदराबाद में आया ईमेल

हैदराबाद, आरएनएन। तेलंगाना के हैदराबाद में 26/11 मुंबई हमले जैसी वारदात को दोहराने की धमकी से हड़कंप मच गया है। एक धमकी भरे ईमेल में शहर के होटल और रेलवे स्टेशन पर बम धमाके करने की बात कही गई है। ईमेल भेजने वाले ने खुद को लश्कर-ए-तैयबा से जुड़ा बताया

पुलिस ने बढ़ाई सुरक्षा, एंटी-सैबोटाज जांच

है। उसने तकरीबन 300 लोगों को मारने की धमकी भी दी है। इस सूचना के बाद हैदराबाद पुलिस ने सुरक्षा बढ़ा दी है। हैदराबाद पुलिस की स्पेशल ब्रांच की ओर से 21 नवंबर को अलर्ट जारी किया गया था। इसके मुताबिक, धमकी भरे ईमेल में काचीगुड़ा के होटल टूरिस्ट प्लाजा और काचीगुड़ा रेलवे स्टेशन को निशाना बनाने की बात कही गई। ईमेल भेजने वाले ने कहा कि वह 26 नवंबर को हैदराबाद में 2008 के मुंबई हमलों जैसी वारदात को दोहराएगा। ईमेल में हमले की वजह भी बताई गई है।

अब शुरू हुआ सीजेपी का कॉकरोच क्लब

नई दिल्ली, आरएनएन। कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) ने अपना कॉकरोच क्लब रविवार से शुरू कर दिया है। इसकी जानकारी सीजेपी के प्रवक्ता सौरव दास ने अपने सोशल मीडिया अकाउंट के जरिए दी। उन्होंने यह भी बताया कि यह क्लब शुरू करने के पीछे सीजेपी के विचार और आइडिया हैं।

सोशल मीडिया अकाउंट एक्स पर सौरव दास ने इसका वीडियो भी शेयर किया, जिसमें वह यह कहते नजर आए कि जब हम गांधी, नेहरू और आंबेडकर को पढ़ेंगे तो हमारी फतह जरूर होगी और इसी का उद्घाटन हुआ है क्लब से। कॉकरोच क्लब में यह तो ट्रेलर था, जैसे आगे बढ़ेंगे तो हमें पता चलेगा कि यह कैसे बेहतर हो सकेगा। इससे ज्यादा से ज्यादा लोग जुड़ेंगे। सौरव दास ने कैप्शन में लिखा, कॉकरोच क्लब युवा पीढ़ी के लिए ऐसा मंच होगा, जहां वे एक साथ आ सकें और अपने विचार साझा कर सकें।

धोखा पति ने खड़ा किया 9 अरब डॉलर का साम्राज्य, पत्नी ने एनवीडिया चीफ से नजदीकियां बढ़ा जुटाए चिप

हुआंग ने चोरी से चीन भेजी 70 हजार करोड़ की चिप

नई दिल्ली/संचार जगत

अमेरिका और चीन के बीच चल रही आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) और सेमीकंडक्टर की जंग में एक बेहद चौंकाने वाला मामला सामने आया है। चीनी कारोबारी कांग वेई ने सरकारी मदद से चीन में 9 अरब डॉलर का विशाल डेटा सेंटर साम्राज्य खड़ा किया।

वहीं, उनकी पत्नी एलिस हुआंग सिंगापुर की एक कंपनी के जरिए अमेरिकी कंपनी एनवीडिया के उन एडवांस एआई चिप्स को हासिल करने में जुटी रहीं जिन्हें चीन पहुंचने से रोकने के लिए अमेरिका ने कड़े प्रतिबंध लगा रखे थे। रिपोर्ट में दावा किया गया है कि जेनसन हुआंग के एक चीनी बिजनेसवुमन के साथ रिश्ते की वजह से चीन में एनवीडिया की करीब 7.5 अरब



डॉलर (लगभग 70 हजार करोड़ रुपये) की चिप्स पहुंचाने में मदद मिली। इस खबर के सामने आने के बाद कंपनी पर कई सवाल उठ रहे हैं। रिपोर्ट के मुताबिक, जेनसन हुआंग का चीनी बिजनेसवुमन एलिस हुआंग के साथ रिश्ता था। एलिस हुआंग पर चीन की खुफिया एजेंसी से जुड़े होने का शक भी जताया गया है।

सिंगापुर के रास्ते भेजी गई सभी एडवांस चिप

जब कांग वेई चीन में डेटा सेंटर बना रहे थे, उसी दौरान उनकी पत्नी एलिस हुआंग सिंगापुर स्थित क्लाउड कंपनी मेगास्पीड के माध्यम से एनवीडिया के शक्तिशाली एआई प्रोसेसर हासिल करने की कोशिश कर रही थीं। नवंबर 2023 तक मेगास्पीड ने एनवीडिया को बताया कि चीनी ई-कॉमर्स दिग्गज अलीबाबा उसकी मुख्य ग्राहक होगी। इसके बाद मेगास्पीड को एनवीडिया के क्लाउड पार्टनर का दर्जा मिल गया, जिससे उसे चिप्स की प्राथमिकता के आधार पर सप्लाई मिलने लगी। रिपोर्ट के मुताबिक, मेगास्पीड द्वारा हासिल किए गए एनवीडिया के कुछ चिप्स चोरी-छिपे चीन भेजे गए थे।

जासूसी के आरोप और जांच

कांग वेई और जेन्सेन हुआंग वीडियो-गेम इंडस्ट्री के दिनों से एक-दूसरे को जानते थे और कांग ने ही एलिस की मुलाकात जेन्सेन हुआंग से कराई थी। 2023 के अंत में मालिकाना हक में बदलाव के बाद एलिस आधिकारिक तौर पर मेगास्पीड के निदेशक पद से हट गईं, लेकिन जेन्सेन हुआंग के साथ उनके संबंध जारी रहे। दोनों को 2023 में सिंगापुर और 2024 में ताइपे के कंप्यूटेक्स सम्मेलन में साथ देखा गया था। बाद में एलिस पर चीनी खुफिया एजेंसियों को जानकारी देने के आरोप लगे। अमेरिकी अधिकारियों ने जब इस बात की जांच शुरू की कि क्या एनवीडिया के चिप्स पर लगे निर्यात प्रतिबंधों का उल्लंघन हुआ है, तो जेन्सेन हुआंग ने कंपनी से इस्तीफा दे दिया। हालांकि, मेगास्पीड का दावा है कि उसका कारोबार पूरी तरह वैध है और एलिस की अब कंपनी में कोई भूमिका नहीं है। 2024 के अंत से जून 2025 के बीच इस कपल ने शंघाई और दक्षिण-पूर्व एशिया में डेटा सेंटर प्रोजेक्ट्स के लिए निवेशकों से पैसा जुटाने की कोशिश की। उन्होंने निवेशकों को तीन साल में पैसा तीन गुना करने का झांसा दिया और भरोसा दिलाया कि वे चीन में एनवीडिया चिप्स लाने में सक्षम हैं।

सोनिया का बचपन वाला घर बनेगा अब म्यूजियम

नई दिल्ली/संचार जगत

इंडियन हाउस के नाम से जाना जाता है इटली स्थित घर

कांग्रेस की पूर्व अध्यक्ष सोनिया गांधी का इटली स्थित बचपन का घर जल्द ही एक म्यूजियम में तब्दील हो सकता है। इस पहल के पीछे इटली में बसे भारतीय मूल के सिख व्यवसायी सुखदेव सिंह कांग हैं, जिन्होंने 6 साल पहले यह संपत्ति खरीदी थी. वह अब सोनिया गांधी, राहुल गांधी और प्रियंका गांधी से मुलाकात करने की प्लानिंग कर रहे हैं, ताकि इस प्रस्तावित म्यूजियम में प्रदर्शित करने के लिए गांधी और माइनो परिवार से जुड़ी यादगार चीजें हासिल की जा सकें।

सुखदेव सिंह कांग ने बताया कि इस घर को अब इंडियन हाउस के नाम से जाना जाता है और इस पर भारतीय तिरंगा लहराता है। घर के बाहर लगी नेमप्लेट पर इसे सोनिया गांधी की जन्मस्थली के रूप में दर्शाया गया है। सोनिया गांधी का जन्म 9 दिसंबर 1946 को इसी घर में हुआ था और उन्होंने अपने शुरुआती बचपन के दिन यहीं बिताए थे।

राजस्थानी लोक संस्कृति का छाया जादू

संचार जगत

जयपुर। इंडिया इंटरनेशनल ट्रेड फेयर में राजस्थान दिवस के अवसर पर भव्य सांस्कृतिक संध्या का आयोजन किया गया। इस सांस्कृतिक संध्या में प्रदेश की समृद्ध लोक संस्कृति, पारंपरिक संगीत, लोक नृत्य एवं कलात्मक विरासत की मनमोहक झलक देखने को मिली। सांस्कृतिक संध्या की शुरुआत गणेश वंदना और चरकुला नृत्य



की प्रस्तुति से हुआ।

इसके बाद खड़ताल वादन, चरी नृत्य, भपंग वादन और भवाई नृत्य ने सभी को मंत्रमुग्ध कर दिया। घूमर नृत्य, चंग ढप नृत्य, गैर नृत्य, कालबेलिया नृत्य और मयूर नृत्य के साथ फूलों की नृत्य प्रस्तुतियों ने दर्शकों का मन मोह लिया।

महंगे कच्चे तेल से देश का आयात बिल 60 फीसदी बढ़ा

नई दिल्ली, आरएनएन। अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमतों में भारी उछाल का असर भारत के ऊर्जा आयात खर्च पर पड़ने लगा है। महंगे तेल के कारण देश का शुद्ध तेल एवं गैस आयात बिल एक साल में 60 फीसदी बढ़कर 16 अरब डॉलर पहुंच गया है।

रंजीता कोली को मिली यूपी चुनाव में जिम्मेदारी

संचार जगत

भरतपुर। भरतपुर की पूर्व सांसद रंजीता कोली को उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव को लेकर भारतीय जनता पार्टी ने अहम जिम्मेदारी सौंपी है। पार्टी ने उन्हें आगरा जिले की आगरा कैंट विधानसभा सीट का प्रभारी नियुक्त किया है। लखनऊ में आयोजित भाजपा की प्रदेश प्रवासी बैठक में उन्हें यह दायित्व दिया गया। बैठक में राजस्थान समेत आठ राज्यों से आईं 403 महिला विस्तारकों को उत्तर प्रदेश की सभी 403 विधानसभा सीटों पर संगठनात्मक जिम्मेदारी सौंपी गई। इन महिला विस्तारकों को संबंधित विधानसभा क्षेत्रों में पार्टी संगठन को मजबूत करने,



आमजन से संपर्क बढ़ाने, कार्यकर्ताओं के साथ समन्वय बनाने और पार्टी की संगठनात्मक गतिविधियों को गति देने का दायित्व दिया गया है।

संपादकीय

कब रुकेंगे सड़क हादसे

राजस्थान और गुजरात में हुए अलग-अलग दो सड़क हादसों में 16 लोगों की मौत पुनः इसे रेखांकित कर रही है कि तमाम प्रयासों के बाद भी मार्ग दुर्घटनाएं कम होने का नाम नहीं ले रही हैं। इसका दुष्परिणाम यह है कि भारत में प्रति वर्ष मार्ग दुर्घटनाओं में मरने और घायल होने वालों की संख्या लगातार बढ़ रही है। इससे संतुष्ट नहीं हुआ जा सकता कि केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी सड़क दुर्घटनाओं में बढ़ती मौतों पर बार-बार चिंता जताने के साथ उन्हें रोकने के उपाय करने की भी बातें कर रहे हैं, क्योंकि कोई सकारात्मक परिणाम नहीं मिल पा रहे हैं। पिछले दिनों उन्होंने ही बताया था कि प्रतिवर्ष पांच लाख सड़क हादसे हो रहे हैं। इनमें करीब पौने दो लाख लोगों की जान जा रही है। इनमें 66 प्रतिशत 18 से 34 वर्ष की आयु के लोग होते हैं। आखिर मार्ग दुर्घटनाओं और उनमें जान गंवाने वालों की बढ़ती संख्या पर इस तरह से चिंता जताने का क्या महत्व कि अपेक्षित परिणाम सामने न आएं? विडंबना यह है कि एक बड़ी संख्या में मार्ग दुर्घटनाएं राष्ट्रीय राजमार्गों पर हो रही हैं। गत दिवस कोटा के निकट जिस सड़क हादसे में एक ही परिवार के नौ लोग मारे गए और छह घायल हो गए, वह राष्ट्रीय राजमार्ग पर ही हुआ। इस हादसे में एक क्रूजर गाड़ी सड़क पर खड़े ट्रक से टकरा गई। आशंका है कि कार के ड्राइवर को झपकी आ गई, लेकिन पुलिस इसकी भी जांच कर रही है कि आखिर ट्रक सड़क पर क्यों खड़ा था? इसी तरह, गुजरात के कच्छ में राष्ट्रीय राजमार्ग पर हुए एक सड़क हादसे में सात लोग मारे गए।



यहां भी कार और ट्रक में टक्कर हुई। जब किसी सड़क हादसे में कहीं अधिक लोगों की जान जाती है तो उसका संज्ञान संबंधित राज्य के मुख्यमंत्री समेत राष्ट्रपति और प्रधानमंत्री भी लेते हैं, लेकिन जिन मार्ग दुर्घटनाओं में दो-चार लोग मरते हैं, उनका संज्ञान तो स्थानीय नेता भी मुश्किल से ही लेते हैं। भले ही देश में नेशनल हाइवे और एक्सप्रेसवे बढ़ रहे हों, लेकिन इसी के साथ मार्ग दुर्घटनाएं भी बढ़ रही हैं। कई मार्ग दुर्घटनाओं में वाहन चालकों का भी दोष होता है, लेकिन एक सच्चाई यह भी है कि अधिकतर मार्ग दुर्घटनाएं इसलिए हो रही हैं, क्योंकि भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण जैसे संस्थान सड़कों का दोषरहित निर्माण सुनिश्चित नहीं कर पा रहे हैं। इसका प्रमाण यह है कि खुद सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने हाल में कहा कि इंजीनियरों की ढिलाई के कारण ब्लैक स्पाट खत्म नहीं हो रहे और दोषरहित विस्तृत परियोजना रिपोर्ट यानी डीपीआर भी तैयार नहीं हो पा रही हैं। प्रश्न यह है कि इस सबके लिए जिम्मेदार कौन है?

नव वामपंथियों के निशाने पर लोकतंत्र

वे विदेश में भारत विरोधियों से मिलने में न हिचकते हैं और न ही लोकतंत्र, अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता, धार्मिक स्वतंत्रता, मानवाधिकार आदि के नाम पर अपने देश की निंदा करने से। यह एक ऐसी चुनौती है, जिससे निपटने के रास्ते तलाशने होंगे। इन नव वामपंथियों के निशाने पर केवल अपने देश के राष्ट्रवादी ही नहीं, बल्कि वे नेता और देश भी हैं, जो अपनी सभ्यता, संस्कृति और क्षमता के बल पर श्रेष्ठ स्थान बनाने का माद्दा रखते हैं और अपने लोगों में आत्मविश्वास पैदा करते हैं। लगता है कि कांग्रेस में इसी श्रेणी के रणनीतिकारों ने राहुल गांधी को भारत में ऐसा सम्मेलन आयोजित करने का सुझाव दिया, ताकि यह स्थापित किया जा सके कि देश के साथ विदेश में भी उनके संपर्क, सम्मान और अभियान को व्यापक समर्थन प्राप्त है।



नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने गत दिनों अमेरिका में भारत की लोकतांत्रिक व्यवस्था, चुनाव प्रणाली और अर्थव्यवस्था आदि पर जो टिप्पणियां कीं, वे उनकी भावी राजनीतिक दिशा का संकेत देती हैं। हाल में हैदराबाद में भारत समिट-2026 आयोजित कर उन्होंने इसे वैश्विक अभियान का रूप देने का प्रयास किया। समिट की थीम थी-एक नए विश्व का निर्माण। कांग्रेस ने इसे वैश्विक न्याय, लोकतंत्र, बहुपक्षवाद, मतदाताओं के अधिकार और नफरत की राजनीति के खिलाफ वैकल्पिक विचारों का मंच बताया। इससे उसका वास्तविक उद्देश्य समझना कठिन नहीं है। इसी समिट के मंच से इटली की पार्टी आफ यूरोपियन सोशलिस्ट्स के महासचिव जियाकोमो फिलिबेक ने जिस अंदाज में 'वोट चोर, गद्दी छोड़' का नारा दिया, वह राहुल गांधी की शैली जैसा ही था। उन्होंने यह भी कहा कि भारत में लोकतंत्र की रक्षा के लिए वे राहुल गांधी और कांग्रेस पार्टी के साथ खड़े हैं। आखिर इस समर्थन का मतलब क्या है? यह किसी विदेशी का विपक्ष के माध्यम से भारत के आंतरिक मामलों में सीधा हस्तक्षेप है। राहुल गांधी ने सामने बैठे हुए जिस तरह मुस्कुराकर ताली बजाई, उससे लगता है कि वे अब इसी रास्ते पर चलने वाले हैं। आज पूरी दुनिया में एक अजीब किस्म के नव वामपंथी उभरे हैं। ये खुद को उदारवादी और वैकल्पिक विचारों का प्रतिनिधि बताते हैं। कुछ देशों की सरकारों में भी इनकी मौजूदगी है। यूरोप से लेकर अमेरिका, अफ्रीका और एशिया तक कट्टर इस्लामवादी भी इनके साथ दिखाई दे रहे हैं और अपना एजेंडा आगे बढ़ा रहे हैं। राहुल गांधी की विदेश यात्राओं की शुरुआत 2017 से कराई गई। इन लोगों से उनका संपर्क और संबंध बना और तब से उनकी भाषा और व्यवहार में बदलाव साफ दिखाई देता है। वे विदेश में भारत विरोधियों से मिलने में न हिचकते हैं और न ही लोकतंत्र, अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता, धार्मिक स्वतंत्रता, मानवाधिकार आदि के नाम पर अपने देश की निंदा करने से। यह एक ऐसी चुनौती है, जिससे निपटने के रास्ते तलाशने होंगे। इन नव वामपंथियों के निशाने पर केवल अपने देश के राष्ट्रवादी ही नहीं, बल्कि वे नेता और देश भी हैं, जो अपनी सभ्यता, संस्कृति और क्षमता के बल पर श्रेष्ठ स्थान बनाने का माद्दा रखते हैं और अपने लोगों में आत्मविश्वास पैदा करते हैं। लगता है कि कांग्रेस में इसी श्रेणी के रणनीतिकारों ने राहुल गांधी को भारत में ऐसा सम्मेलन आयोजित करने का सुझाव दिया, ताकि यह स्थापित किया जा सके कि देश के साथ-साथ विदेश में भी उनके संपर्क, सम्मान और अभियान को व्यापक समर्थन प्राप्त है। आने वाले समय में ऐसे कार्यक्रम और अभियान और भी देखने को मिल सकते हैं। हालांकि भारत समिट के लिए कांग्रेस को देश-दुनिया में वैसा समर्थन नहीं मिला, जैसी तैयारी की गई थी। विजन के नाम पर राहुल गांधी ने जो कुछ कहा, उसमें वैश्विक दृष्टि की गंभीर झलक नहीं थी। वस्तुतः मोदी सरकार को फासीवादी सरकार के रूप में प्रचारित करने के प्रयास को आगे बढ़ाते हुए उन्होंने समिट में कहा, 'फासीवादी लोगों की आवाज तेज होती है। पिछले एक दशक से फासीवादी लोग चिल्ला रहे हैं और अधिकांश जनता देख रही है कि हो क्या रहा है। 2014 के चुनाव में पहली बार देखा कि करोड़ों डालर खर्च हो रहे हैं। यह देख हम हैरान थे।' यहां राहुल गांधी से पूछा जाना चाहिए कि उस समय तो केंद्र में उनकी सरकार थी और चुनाव आयुक्तों की नियुक्ति भी उनके शासनकाल में होती थी, फिर ऐसा कैसे हो गया? उन्होंने आगे कहा, 'मैं पूरे भरोसे के साथ कह सकता हूं कि हम मोदी को हराने जा रहे हैं।' उन्हें मोदी और अमित शाह की आंखों में डर दिखाई दे रहा है और वह भी हार का! वास्तव में वे इस तरह देश और विदेश में लोगों के भीतर यह भाव पैदा करना चाहते हैं कि तीन बार हारने के बाद अब वे जीतकर सरकार में आने वाले हैं। उथल-पुथल पैदा करने से लेकर चुनावों तक, इस तरह के माहौल का सामूहिक मनोविज्ञान पर प्रभाव पड़ता है। यही उनकी रणनीति है। दरअसल राहुल गांधी और उनके देसी-विदेशी रणनीतिकारों का लक्ष्य और दिशा स्पष्ट है। देश के भीतर और दुनिया भर में लगातार बोलो और बुलवाओ, ताकि यह माहौल बने कि भारत में एक व्यक्ति, एक वोट के आधार पर सरकार नहीं बन रही, बल्कि प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में सरकार ने सभी संस्थाओं पर कब्जा कर लिया है और चुनाव आयोग हर हाल में भाजपा की सरकार को वापस लाने के लिए काम कर रहा है। यह नव वामपंथियों की ऐसी शैली है, जिसमें पहले की तरह हिंसक क्रांति और हथियारों के बल पर सत्ता पर कब्जा नहीं किया जाता, बल्कि हिंसक अराजकता और उथल-पुथल का माहौल बनाया जाता है, ताकि जनता की चुनी हुई सरकार कमजोर पड़े और सत्ता परिवर्तन का रास्ता बने। अनेक देशों में ऐसे हिंसक आंदोलन होते और सत्ता बदलती दिखाई दे रही है। इसलिए यह चिंताजनक स्थिति है। राहुल गांधी लोकसभा में विपक्ष के नेता हैं और कई राज्यों में उनके दल की सरकारें हैं। ऐसे में उनके पास राजनीतिक और संवैधानिक शक्ति भी है। इससे चुनौती और बढ़ जाती है। भारत विरोधी शक्तियां इस परिस्थिति का लाभ उठाकर क्या करेंगी और किस सीमा तक जा सकती हैं, इसका अंदाजा लगाना कठिन है।

सेहत और पोषण

हर सुबह 30 मिनट चलें, स्वस्थ रहें

छोटी-छोटी आदतें, जो तन को रखें फिट और मन को दें सुकून



भागदौड़ भरी जिंदगी में घर, परिवार और दफ्तर की जिम्मेदारियां निभाते हुए हम अक्सर अपनी सेहत को पीछे छोड़ देते हैं। देर रात तक मोबाइल चलाना, अनियमित नींद, खानपान में लापरवाही और शारीरिक गतिविधियों की कमी धीरे-धीरे दिनचर्या का हिस्सा बन जाती हैं। ऐसे में सुबह के केवल 30 मिनट खुद के लिए निकालना सेहत की दिशा में एक अच्छी शुरुआत हो सकती है। जरूरी नहीं कि इसके लिए जिम जाना पड़े या कोई कठिन नियम अपनाना पड़े। छोटी-छोटी आदतों को नियमित दिनचर्या में शामिल करके शरीर को सक्रिय और मन को शांत रखने में मदद मिल सकती है।



क्षमता और स्वास्थ्य के अनुसार करें व्यायाम

सुबह की सैर, हल्की स्ट्रेचिंग, योग या साइकिलिंग से दिन की शुरुआत सक्रियता के साथ की जा सकती है। शुरुआत में 10 से 15 मिनट भी पर्याप्त हो सकते हैं। नियमितता बनने पर समय और गतिविधि धीरे-धीरे बढ़ाएं। शारीरिक गतिविधि हृदय स्वास्थ्य, नींद और मानसिक स्वास्थ्य के लिए फायदेमंद है। वयस्कों को सप्ताह में कम से कम 150 मिनट की मध्यम तीव्रता वाली गतिविधि का लक्ष्य रखना चाहिए। अपनी क्षमता और स्वास्थ्य के अनुरूप व्यायाम चुनें।

पानी से करें दिन की शुरुआत

रातभर सोने के दौरान पानी नहीं पीने के कारण सुबह प्यास महसूस हो सकती है। जागने के बाद एक गिलास सादा पानी पीना शरीर में तरल की कमी पूरी करने का आसान तरीका है। गुनगुना पानी पसंद हो तो उसे भी चुन सकते हैं। हालांकि, पानी पीने के लिए कोई विशेष तापमान जरूरी नहीं है और न ही शरीर को स्वस्थ रखने के लिए महंगे डिटॉक्स पेय की आवश्यकता होती है। अपनी प्यास, मौसम और शारीरिक जरूरत के अनुसार दिनभर पर्याप्त पानी पीते रहें।



बादाम ही नहीं, संतुलित आहार भी जरूरी

सुबह मुट्ठीभर बादाम या कुछ अन्य मेवे पौष्टिक आहार का हिस्सा हो सकते हैं। इनके साथ मौसमी फल लेना भी अच्छा विकल्प है। लेकिन केवल भीगे हुए बादाम या किशमिश खाने से संपूर्ण पोषण नहीं मिलता। नाश्ते में दलिया, ओट्स, पोहा, उपमा, मूंग दाल का चीला, दही या अन्य प्रोटीन और फाइबर युक्त विकल्प शामिल किए जा सकते हैं। भोजन की मात्रा और चुनाव अपनी जरूरत के अनुसार रखें। मधुमेह या दूसरी स्वास्थ्य समस्याओं में खानपान के लिए चिकित्सक अथवा आहार विशेषज्ञ की सलाह लेना बेहतर है।

नाश्ता और दिन की योजना बनाएं

दिन की शुरुआत संतुलित भोजन और व्यवस्थित सोच के साथ करें। नाश्ता करते हैं तो उसमें साबुत अनाज, फल, सब्जियां और प्रोटीन के स्रोत शामिल करें। दूध-दही, दाल, अंडे या मेवे अपनी पसंद और खानपान की शैली के अनुसार चुन सकते हैं। चाय-कॉफी की मात्रा पर भी ध्यान दें। इसके बाद दिन के जरूरी कामों की छोटी-सी सूची बनाएं, ताकि सुबह से ही जल्दबाजी और उलझन कम हो। याद रखें, सेहत के लिए शुरुआत छोटी हो सकती है, लेकिन नियमितता जरूरी है। पहले दिन पूरी दिनचर्या अपनाने का दबाव न लें। अपने लिए 30 मिनट तय करें और धीरे-धीरे इन आदतों को जीवन का हिस्सा बनाएं। खुद को दिया गया यह समय शरीर के साथ मन की देखभाल का भी एक अच्छा तरीका है।

मोबाइल से पहले खुद पर दें ध्यान

सुबह आंख खुलते ही फोन पर संदेश, ईमेल और सोशल मीडिया देखने की आदत से बचें। दिन की शुरुआत कुछ मिनट शांति के साथ करें। खिड़की खोलकर प्राकृतिक रोशनी आने दें, आराम से बैठें और अपनी सांसों पर ध्यान केंद्रित करें। धीमी और गहरी सांस लेने का अभ्यास मन को शांत करने और तनाव संभालने में सहायक हो सकता है। नियमित समय पर सोना और जागना भी अच्छी दिनचर्या का महत्वपूर्ण हिस्सा है।

सर्दियों का पौष्टिक खजाना सिंघाड़ा



स्वाद के साथ सेहत को भी देता है कई फायदे

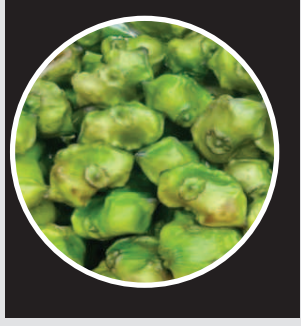
मौसम बदलते ही बाजारों में नजर आने वाला सिंघाड़ा केवल स्वादिष्ट फल नहीं, बल्कि पोषण का अच्छा स्रोत भी है। पानी और खनिज तत्वों से भरपूर यह मौसमी फल शरीर को ऊर्जा देने के साथ पाचन और हृदय स्वास्थ्य के लिए भी उपयोगी हो सकता है। हालांकि, इसका सेवन करते समय कुछ सावधानियां बरतना जरूरी है।

सर्दियों की सौगात है सिंघाड़ा

ठंड की दस्तक के साथ बाजारों में हरे और बैंगनी रंग के सिंघाड़ों की बहार आ जाती है। सख्त छिलके और अनोखी बनावट वाले इस जलीय फल का सफेद गूदा कुरकुरा और हल्का मीठा होता है। ग्रामीण क्षेत्रों से लेकर शहरों तक इसे बड़े चाव से खाया जाता है। कोई उबालकर इसका स्वाद लेता है, तो कोई कच्चा खाना पसंद करता है। सिंघाड़े का आटा भी व्रत और पारंपरिक व्यंजनों में विशेष स्थान रखता है। पोषक तत्वों की मौजूदगी इसे मौसमी खानपान का उपयोगी हिस्सा बनाती है।

सेवन में सावधानी भी जरूरी

सिंघाड़ा खाने से पहले अच्छी तरह धोना चाहिए। स्वच्छता की दृष्टि से उबालकर खाना बेहतर विकल्प हो सकता है। मधुमेह और गुर्दे की बीमारी वाले लोगों को इसकी मात्रा तय करने से पहले चिकित्सक या आहार विशेषज्ञ की सलाह लेनी चाहिए। संतुलित मात्रा में सेवन ही इसका बेहतर लाभ दिला सकता है।



दिल की सेहत के लिए उपयोगी

सिंघाड़े में पोटैशियम पाया जाता है, जो हृदय और मांसपेशियों के सामान्य कामकाज में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। यह शरीर में तरल पदार्थों का संतुलन बनाए रखने में भी सहायक है। इसमें वसा की मात्रा कम होने के कारण इसे संतुलित भोजन में शामिल किया जा सकता है। हालांकि, हृदय रोगों से बचाव के लिए केवल किसी एक फल पर निर्भर रहने के बजाय पौष्टिक भोजन, नियमित व्यायाम और स्वस्थ जीवनशैली अपनाना जरूरी है।

खून की कमी में कितना फायदेमंद?

शरीर में आयरन की कमी होने से हीमोग्लोबिन घट सकता है, जिससे कमजोरी, थकान और चक्कर जैसी समस्याएं उत्पन्न होती हैं। सिंघाड़े में कुछ मात्रा में आयरन सहित अन्य खनिज तत्व मौजूद होते हैं। हालांकि, इसे एनीमिया दूर करने का प्रमुख उपाय नहीं माना जा सकता। आयरन की पर्याप्त पूर्ति के लिए हरी पत्तेदार सब्जियां, दालें, चना और अन्य पौष्टिक खाद्य पदार्थों का सेवन भी जरूरी है।



पाचन को रखता है बेहतर

सिंघाड़े में मौजूद आहार फाइबर पाचन तंत्र के सामान्य कामकाज में सहायक होता है। पर्याप्त पानी और फाइबर युक्त भोजन लेने से कब्ज जैसी परेशानी से बचने में मदद मिल सकती है। इसका सेवन भोजन में विविधता लाने का भी अच्छा तरीका है। हालांकि, पाचन संबंधी लाभ व्यक्ति की खानपान की आदतों और जीवनशैली पर निर्भर करते हैं।

ऊर्जा का प्राकृतिक स्रोत

कार्बोहाइड्रेट से भरपूर सिंघाड़ा शरीर को ऊर्जा प्रदान करता है। हल्की भूख लगने पर इसे नाश्ते के रूप में खाया जा सकता है। व्रत में इसके आटे से रोटी, पूरी और हलवा बनाया जाता है। हालांकि, अधिक घी और चीनी से तैयार पकवानों में कैलोरी बढ़ सकती है।

▶ न्यूजीलैंड को डेवन कॉन्वे और रचिन रवींद्र से ड्रॉ की उम्मीद

वेलिंगटन टेस्ट पर टीम इंडिया ने बनाई अपनी मजबूत पकड़, जीत से 8 विकेट दूर गिल ब्रिगेड

नई दिल्ली/संचार जगत

भारत के पहली पारी में नौ विकेट पर 720 रन बनाकर पारी घोषित करने के बाद न्यूजीलैंड ने चौथे दिन का खेल खत्म होने तक दूसरी पारी में दो विकेट पर 119 रन बना लिए। मेजबान टीम अभी भारत से 233 रन पीछे है। डेवन कॉन्वे 59 और रचिन रवींद्र 27 रन बनाकर क्रीज पर हैं। न्यूजीलैंड को मैच ड्रॉ कराने के लिए आखिरी दिन के तीनों सत्र बल्लेबाजी करनी होगी, जबकि भारत को जीत के लिए आठ विकेट की जरूरत है।

भारत ने पहली पारी में 352 रन की बढ़त हासिल की थी। न्यूजीलैंड ने पहली पारी में 368 रन बनाए थे। दूसरी पारी में उसकी शुरुआत खराब रही। जसप्रीत बुमराह ने पारी की दूसरी ही गेंद पर कप्तान टॉम लैथम को बिना खाता खोले आउट कर दिया। इसके बाद हेनरी निकोल्स और कॉन्वे ने दूसरे विकेट के लिए 60 रन जोड़े।

निकोल्स 31 रन बनाकर प्रसिद्ध कृष्णा की गेंद पर आउट हुए। इसके बाद कॉन्वे और रचिन ने तीसरे विकेट के लिए 22.5 ओवर बल्लेबाजी कर टीम को संभाला।

पंत और राहुल के शतकों से भारत का रिकॉर्ड स्कोर

भारत की पहली पारी में ऋषभ पंत ने 128 और केएल राहुल ने 136 रन बनाए। शुभमन गिल 98 रन बनाकर शतक से चूक गए, जबकि यशस्वी जायसवाल ने 85, देवदत्त पडिक्कल ने 80 और ध्रुव जुरेल ने 78 रन का योगदान दिया। भारत ने लंच के बाद पारी घोषित की। न्यूजीलैंड की ओर से ग्लेन फिलिप्स ने तीन और रचिन रवींद्र



ने दो विकेट लिए। भारत का 720 रन का स्कोर न्यूजीलैंड की धरती पर किसी भी टीम का सबसे बड़ा टेस्ट स्कोर है। साथ ही न्यूजीलैंड के खिलाफ टेस्ट क्रिकेट में किसी टीम का यह सबसे बड़ा स्कोर है। भारत का विदेशी जमीन पर भी यह अब तक का सर्वोच्च टेस्ट स्कोर है। इससे पहले टीम ने 2010 में कोलंबो में श्रीलंका के खिलाफ 707 रन बनाए थे। भारतीय पारी में कई रिकॉर्ड भी बने। टेस्ट क्रिकेट में पहली बार किसी टीम ने एक पारी में अपने शुरुआती सातों विकेट के लिए 50 या उससे अधिक रन की साझेदारियां कीं। वहीं, पहली बार भारत के छह बल्लेबाजों ने एक पारी में 70 या उससे अधिक रन बनाए।

छक्कों के मामले में पंत ने मैकुलम को पछाड़ा

पंत ने 153 गेंदों पर 128 रन की पारी में 10 चौके और छह छक्के लगाए। यह उनका नौवां टेस्ट शतक था। इस दौरान उन्होंने टेस्ट क्रिकेट में अपने छक्कों की संख्या 108 पहुंचा दी और न्यूजीलैंड के पूर्व कप्तान ब्रेंडन मैकुलम (107) को पीछे छोड़ दिया। इस सूची में अब उनसे आगे सिर्फ इंग्लैंड के बेन स्टोक्स (138) हैं। पंत ने न्यूजीलैंड के खिलाफ शतक लगाकर दक्षिण अफ्रीका, इंग्लैंड, न्यूजीलैंड और ऑस्ट्रेलिया (सेना देशों) में टेस्ट शतक बनाने वाले पहले विदेशी विकेटकीपर बल्लेबाज बनने की उपलब्धि भी हासिल की।

स्कोर बोर्ड

न्यूजीलैंड पहली पारी: 368-10
भारत पहली पारी: 486 रन से आगे

भारत	रन	गेंद	4	6
पंत कॉ. स्मिथ बो.रवींद्र	128	153	10	6
कंबोज कॉ. कॉनवे बो.फिलिप्स	38	42	6	1
जुरेल स्टंप ब्लंडेल बो.फिलिप्स	78	79	7	1
सुंदर कॉ.एंड बो.रवींद्र	24	26	2	0
आकाश कॉ.लाथम बो.फिलिप्स	13	5	0	2
बुमराह नाबाद	7	5	1	0

अतिरिक्त: 33, कुल रन: 20-9 घोषित (166.0)बल्लेबाजी नहीं की: प्रसिद्ध **विकेट पतन:** 130-1, 295-2,386-3,486-4,554-5,629-6,683-7,696-8,720-9.
गेंदबाज- हेनरी: 33-7-94-1, जेमीसन: 31-6-88-1, डफी: 33-1-201-1, स्मिथ: 29-4-84-1, फिलिप्स: 24-0-154-3, रवींद्र: 10-0-44-2, मिचेल: 6-0-39-0,

न्यूजीलैंड दूसरी पारी	रन	गेंद	4	6
लाथम कॉ.पंत बो.बुमराह	0	2	0	0
कॉनवे नाबाद	59	137	6	0
निकोल्स कॉ.जुरेल बो.कृष्णा	31	59	3	0
रवींद्र नाबाद	27	72	3	0

अतिरिक्त: 2, 119-2 (45.0)बल्लेबाजी शेष: मिचेल, ब्लंडेल,फिलिप्स, स्मिथ,जेमीसन, हेनरी,डफी
विकेट पतन: 0-1,60-2. **गेंदबाज-** बुमराह: 9-1-33-1, आकाश: 10-2-25-0, कंबोज: 9-1-21-0, प्रसिद्ध: 8-2-20-1, सुंदर: 8-2-16-0, पडिक्कल: 1-0-2-0,

नंबर गेम...

- **720/9:** न्यूजीलैंड में भारत का सबसे बड़ा टेस्ट स्कोर।
- **352:** पहली पारी में भारत की बढ़त।
- **108:** टेस्ट में पंत के छक्के, दुनिया में दूसरे स्थान पर।
- **7:** पहली पारी में लगातार सात 50 से अधिक रन की साझेदारियां।
- **201:** जैकब डफी ने 33 ओवर में दिए रन।

तिलक का शतक गया व्यर्थ, नवाज के ऑलराउंड प्रदर्शन से जीता पाक

पाकिस्तान-ए ने इंडिया-ए को 48 रन से हराया



नई दिल्ली/संचार जगत

हसन नवाज के ऑलराउंड प्रदर्शन की बदौलत पाकिस्तान-ए ने इंडिया-ए को 48 रन से हरा दिया। पाकिस्तान-ए ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 313 रन बनाए। जवाब में इंडिया-ए की टीम 265 रन पर सिमट गई। भारत की ओर से तिलक वर्मा ने 100 रन की शतकीय पारी खेली, जबकि

अभिषेक और शाहबाज के अर्धशतक भी नहीं आए काम

अभिषेक शर्मा ने 70 और शाहबाज अहमद ने अर्धशतक लगाया। पाकिस्तान की ओर से नवाज ने 79 रन बनाने के बाद तीन विकेट भी हासिल किए। पाकिस्तान ए ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी का फैसला किया। माज सदाकत (59) और शमाइल हुसैन ने टीम को तेज शुरुआत दिलाई।

आठवें ओवर में आयुष बदोनी ने शमाइल को आउट किया, जबकि अगले ओवर में हर्षित राणा ने रोहेल नजीर को बिना खाता खोले पवेलियन भेज दिया। इसके बाद सदाकत और हसन नवाज ने पारी को संभाला। सदाकत के 59 रन बनाकर आउट होने के बाद नवाज ने अब्दुल समद के साथ साझेदारी की। समद के रनआउट होने के बाद नवाज को फरहान यूसुफ का साथ मिला। नवाज ने 79 रन बनाए, जबकि यूसुफ ने 56 रन की पारी खेली। अंत में पाकिस्तान ए की पूरी टीम 313 रन पर आउट हो गई। भारत की ओर से सूर्यांश शेडगे ने दो विकेट लिए।

शुरुआती झटकों से नहीं उबर सका भारत...

314 रन के लक्ष्य का पीछा करने उतरी इंडिया ए की शुरुआत खराब रही। वैभव सूर्यवंशी और आयुष बदोनी के विकेट जल्दी गिर गए। अभिषेक शर्मा ने आक्रामक बल्लेबाजी करते हुए 42 गेंदों में छह चौकों और छह छक्कों की मदद से 70 रन बनाए, लेकिन नवाज ने उन्हें आउट कर दिया। इसके बाद तिलक वर्मा और कुमार कुशाग्र ने पारी संभालने की कोशिश की। 129 रन पर छह विकेट गंवाने के बाद तिलक को शाहबाज अहमद का साथ मिला। दोनों ने सातवें विकेट के लिए 112 रन की साझेदारी कर टीम की वापसी की उम्मीद जगाई, लेकिन पूरी टीम 265 रन पर सिमट गई।



टी20 डेब्यू में जमशेद ने 4 गेंदों पर झटके चार विकेट

नौ गेंदों में 5 विकेट लेकर बनाया रिकॉर्ड



● इंदौर / राज न्यूज नेटवर्क

रेलवे के 23 वर्षीय तेज गेंदबाज जमशेद आलम ने टी-20 डेब्यू को यादगार बनाते हुए सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी में इतिहास रच दिया। उन्होंने सौराष्ट्र के खिलाफ अपने पहले ही ओवर में लगातार चार गेंदों पर चार विकेट झटके। इसके बाद अगले ओवर में एक और विकेट लेकर नौ गेंदों में पांच विकेट पूरे किए। इस उपलब्धि के साथ वह टी-20 क्रिकेट में डेब्यू पर पांच विकेट लेने वाले छठे भारतीय गेंदबाज बन गए। इंदौर में खेले गए मुकाबले में रेलवे ने पहले बल्लेबाजी करते हुए पांच विकेट पर 182 रन बनाए। जवाब में सौराष्ट्र की पारी के चौथे ओवर में गेंदबाजी करने आए जमशेद ने हार्विक देसाई, प्रेरक मांकड़, रुचित अहीर और समीर गज्जर को लगातार चार गेंदों पर पवेलियन भेज दिया। उन्होंने अपने अगले ओवर में सिद्धांत राणा को आउट कर पांच विकेट पूरे किए। उस समय सौराष्ट्र का स्कोर छह विकेट पर 30 रन था। जमशेद ने चार ओवर में 38 रन देकर पांच विकेट हासिल किए। उनके इस प्रदर्शन के बावजूद सौराष्ट्र की टीम आठ विकेट पर 153 रन ही बना सकी और 29 रन से मुकाबला हार गई।

मध्य प्रदेश ने महाराष्ट्र को पांच रन से हराया

मोहाली। अक्षत रघुवंशी ने 21 गेंद पर 50 रन की आक्रामक पारी खेली जबकि कप्तान रजत पाटीदार और हर्ष गवली ने भी महत्वपूर्ण योगदान दिया, जिससे मध्य प्रदेश ने रविवार को यहां सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी के ग्रुप सी के एक रोमांचक मैच में महाराष्ट्र को पांच रन से हरा दिया। पहले बल्लेबाजी करने उतरे मध्य प्रदेश ने रघुवंशी की विस्फोटक पारी की मदद से नौ विकेट पर 208 रन बनाए। रघुवंशी की पारी में सात चौके और तीन छक्के शामिल हैं। गवली ने 43 गेंदों में 55 रन का योगदान दिया, जबकि पाटीदार ने 18 गेंदों में 31 रन बनाए। महाराष्ट्र की तरफ से विवेक शेलार ने तीन और मुकेश ने दो विकेट लिए। महाराष्ट्र ने इसके जवाब में निर्धारित 20 ओवर में छह विकेट पर 203 रन बनाए।

मास्टर्स एथलेटिक्स में निगम कर्मचारियों ने जीते पदक

विभिन्न स्पर्धाओं में कर्मचारियों ने गोल्ड, सिल्वर और कांस्य पदक किए हासिल

नई दिल्ली/संचार जगत

जबलपुर में आयोजित मास्टर्स एथलेटिक्स चैंपियनशिप में नगर निगम भोपाल के कर्मचारियों ने विभिन्न स्पर्धाओं में पदक हासिल किए। प्रतियोगिता में कर्मचारियों ने गोल्ड, सिल्वर और कांस्य पदक जीतकर निगम का प्रतिनिधित्व किया।

शॉटपुट, हैमर थ्रो और जेवलिन थ्रो स्पर्धा में कर्मचारी कासिम ने सिल्वर और फायर फाइटर



पंकज यादव ने कांस्य पदक जीता। चंद्रशेखर धनराज ने हैमर थ्रो में सिल्वर और कांस्य पदक हासिल किए। वहीं, हलीम अजगर ने डिस्कस थ्रो में गोल्ड और हनीफ ने शॉटपुट में कांस्य पदक प्राप्त किया। प्रतियोगिता में पदक जीतने वाले कर्मचारियों से निगम कमिश्नर रामप्रकाश अहिरवार ने मुलाकात की और उन्हें बधाई देते हुए उनके प्रदर्शन की सराहना की।

इस दौरान कर्मचारियों ने कमिश्नर को जनवरी में लखनऊ में आयोजित होने वाली राष्ट्रीय प्रतियोगिता की तैयारियों और आयोजन के संबंध में जानकारी दी।

मार्करम करेंगे अफ्रीका की कप्तानी



नई दिल्ली, आरएनएन। बांग्लादेश के खिलाफ जारी टेस्ट सीरीज के दूसरे और आखिरी मुकाबले के लिए दक्षिण अफ्रीका ने अपनी प्लेइंग इलेवन घोषित कर दी है। सोमवार से सुपरस्पोर्ट पार्क में शुरू होने जा रहे इस मुकाबले में टोनी डी जॉर्जी और एनरिक नॉर्त्जे की वापसी हो रही है।डी जॉर्जी एक साल बाद टेस्ट टीम में लौटे हैं, जो चोटिल कप्तान तेंबा बावुमा की जगह लेंगे। बावुमा काफ (पिंडली) इंजरी के कारण दूसरे मैच से बाहर हैं। सेंचुरियन में होने वाले इस मैच में एडेन मार्करम कप्तानी की जिम्मेदारी संभालेंगे। जॉर्जी ने अपना पिछला टेस्ट नवंबर 2025 में भारत के खिलाफ खेला था।

जुनून-मौका भारतीय मूल के निखिल चौधरी ने इंग्लैंड के खिलाफ अंतरराष्ट्रीय मैच में मचाया तहलका, रातोंरात छाए

जन्मदिन मनाने गए थे ऑस्ट्रेलिया और बन गए स्टार ऑलराउंडर

नई दिल्ली/संचार जगत

भारतीय मूल के निखिल चौधरी ने ऑस्ट्रेलिया और इंग्लैंड के बीच पहले टी-20 अंतरराष्ट्रीय मुकाबले में शानदार प्रदर्शन कर अपनी टीम की जीत में अहम भूमिका निभाई।

मेलबर्न क्रिकेट ग्राउंड पर खेले गए मुकाबले में उन्होंने चार ओवर में 21 रन देकर दो विकेट लिए। इसके बाद बल्लेबाजी में 66 रन की पारी खेली। ऑस्ट्रेलिया ने आखिरी ओवर में एक गेंद शेष रहते तीन विकेट से मुकाबला जीत लिया। निखिल के लिए यह प्रदर्शन इसलिए भी खास रहा, क्योंकि उनके माता-पिता पहली बार भारत से उन्हें खेलते देखने पहुंचे थे। दिल्ली में जन्मे 30 वर्षीय निखिल चौधरी का ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेट तक पहुंचने का सफर काफी दिलचस्प रहा है। वह भारतीय घरेलू क्रिकेट में खेल चुके हैं और पंजाब की टीम से शुभमन गिल के साथ भी मैदान साझा कर चुके हैं। निखिल मार्च 2020 में अपना 24वां जन्मदिन मनाने ऑस्ट्रेलिया गए थे। उनकी वापसी का टिकट छह मई का था, लेकिन वहां पहुंचने के कुछ ही दिनों बाद कोविड महामारी के कारण अंतरराष्ट्रीय और



स्थानीय सीमाएं बंद हो गईं। इस वजह से वह ऑस्ट्रेलिया में ही फंस गए। निखिल ने एक पॉडकास्ट में बताया था कि उस समय भारत में घरेलू क्रिकेट कब शुरू होगा, इसे लेकर अनिश्चितता थी। दूसरी ओर, ऑस्ट्रेलिया में छह महीने के भीतर क्रिकेट गतिविधियां शुरू हो गईं। उन्होंने ब्रिसबेन में क्लब क्रिकेट खेलना शुरू किया। उनके प्रदर्शन को देखते हुए पहले उन्हें टी-20 प्रारूप में मौका मिला।

रेस्तरां व ऑस्ट्रेलिया पोस्ट में किया काम

निखिल ने बताया था कि वह शुरुआत में टूरिस्ट वीजा पर ऑस्ट्रेलिया गए थे। बाद में उन्होंने स्टूडेंट वीजा लिया और तीन साल तक हॉर्टिकल्चर की पढ़ाई की। इस दौरान उन्होंने तीन महीने एक मैक्सिकन रेस्तरां में काम किया। इसके बाद करीब ढाई साल तक ऑस्ट्रेलिया पोस्ट में नौकरी करते हुए क्रिकेट भी जारी रखा। उन्होंने एक इंटरव्यू में कहा था कि ऑस्ट्रेलिया के लिए खेलने का फैसला उन्होंने इसलिए किया, क्योंकि उन्हें भारतीय संस्कृति की तुलना में ऑस्ट्रेलियाई संस्कृति से अधिक जुड़ाव महसूस होता है।

मैदान पर भी दिखाया आक्रामक अंदाज

इंग्लैंड के खिलाफ मुकाबले में निखिल की बल्लेबाजी के दौरान लियाम डॉसन और सैम करन के साथ उनकी नोकझोंक भी हुई। करन के साथ विवाद के दौरान अंपायर को हस्तक्षेप करना पड़ा। निखिल ने कहा कि इंग्लैंड के खिलाफ मुकाबला हमेशा बड़ा होता है और मैदान पर इस तरह की नोकझोंक होना स्वाभाविक है। मैच के बाद उन्होंने कहा कि उनके माता-पिता पिछली रात ही भारत से आए थे और यह पहला मौका था, जब वे उन्हें अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट खेलते हुए देख रहे थे।

महिला एशियन चैंपियंस ट्रॉफी में जापान की लगातार तीसरी जीत, चीन को धोया

हॉकी : मलेशिया ने दक्षिण कोरिया को 3-1 से दी करारी शिकस्त



नई दिल्ली/ संचार जगत

राजधानी के नाथू बरखेड़ा स्थित अंतरराष्ट्रीय खेल मैदान में खेली जा रही महिला हॉकी एशियन चैंपियंस ट्रॉफी के तीसरे दिन रविवार को जापान और मलेशिया ने जीत दर्ज की। जापान ने चीन को 3-1 से, जबकि मलेशिया ने दक्षिण कोरिया को इसी अंतर से हराया। जापान की टूर्नामेंट में यह लगातार तीसरी जीत है।

दिन के पहले मुकाबले में जापान के लिए यामामोटो रीना ने 18वें, कानेको नानामी ने 34वें और मारुयामा निको ने 59:58 मिनट में गोल किया। चीन की ओर से काई वेनकियान ने 44वें मिनट में गोल किया, लेकिन टीम हार टालने में सफल नहीं रही।

दिन के दूसरे मुकाबले में मलेशिया ने दक्षिण कोरिया को 3-1 से पराजित किया। मलेशिया की नूरमाइजातुल स्याफी ने 32वें और नूरामिराह जुल्किफ्ली ने 37वें मिनट में गोल कर टीम को बढ़त दिलाई। दक्षिण कोरिया की ओर से साएना जियोंग ने 35वें मिनट में गोल किया। मैच के 59वें मिनट में मलेशिया की सिती मोहद ने पेनल्टी स्ट्रोक को गोल में बदलकर टीम की जीत सुनिश्चित कर दी।



उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनावों के लिए आज होगी सपा और कांग्रेस में समझौते की बात



संचार जगत

लखनऊ। उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनावों के लिए कांग्रेस और समाजवादी पार्टी के बीच सीट बंटवारे की कवायद तेज हो गई है। पार्टी के प्रदेश कांग्रेस के कार्यकारी अध्यक्ष इमरान मसूद ने कहा कि दोनों दलों के बीच सीट बंटवारे और चुनावी रणनीति पर चर्चा के लिए आज एक संयुक्त बैठक होगी। उन्होंने जोर देकर कहा कि राज्य में इंडिया गठबंधन की जीत सुनिश्चित करने के लिए दोनों पार्टियों के बीच बेहतर तालमेल बेहद जरूरी है।मसूद ने कहा कि यह दोनों दलों की एक संयुक्त बैठक है। हम चाहते हैं कि गठबंधन जीते और उत्तर प्रदेश में इंडिया गठबंधन की सरकार बने। इसके लिए हमें अच्छे तालमेल के साथ चुनावी मैदान में उतरना होगा। इससे पहले 17 नवंबर को भी इमरान मसूद ने स्पष्ट किया था कि कांग्रेस और सपा के बीच सीट बंटवारे पर बातचीत जारी रहेगी। मसूद ने उन खबरों को भी सिरे से खारिज कर दिया था, जिनमें दावा किया जा रहा था कि कांग्रेस ने 403 विधानसभा सीटों में से करीब 181 सीटों की सूची समाजवादी पार्टी को सौंपी है। दूसरी ओर, सपा प्रमुख अखिलेश यादव पहले ही यह साफ कर चुके हैं कि सीटों का बंटवारा जीत की संभावना के आधार पर होगा यानी जिस सीट पर जो दल ज्यादा मजबूत होगा, वहां से वही चुनाव लड़ेगा।

आधुनिक होना और अपनी जड़ों से जुड़े रहना, दोनों एक साथ संभव है : राजनाथ सिंह

संचार जगत



नई दिल्ली। यह भारत के युवाओं और वैज्ञानिकों के कारण ही संभव हुआ है कि भारत स्पेस में सैटेलाइट डॉकिंग और अनडॉकिंग की क्षमता रखने वाला दुनिया का चौथा देश बन गया है। बाबू बनारसीदास विश्वविद्यालय के दीक्षांत समारोह में रक्षामंत्री राजनाथ सिंह ने कहा कि हमने मेक इन इंडिया प्रोग्राम की शुरुआत की ताकि हमारे युवाओं को रोजगार के नए अवसर मिलें। हमने प्रधानमंत्री इंटर्नशिप योजना शुरू की, ताकि युवाओं को बड़ी कंपनियों में काम करने का अनुभव मिल सके। हमने अनुसंधान नेशनल रिसर्च फाउंडेशन की स्थापना की, ताकि हमारे देश के युवा रिसर्च कर सकें। उन्होंने छात्रों से कहा कि आधुनिक होना और अपनी जड़ों से जुड़े रहना, दोनों एक साथ संभव हैं। आधुनिकता के आवेग के बीच परंपराओं की जड़ें ही हमें जमीन से जुड़ा रखती हैं। जब हम अपनी जड़ों की ओर लौटते हैं, तो हमें केवल अपनी पहचान ही नहीं मिलती, बल्कि ज्ञान भी मिलता है। इससे हमारे मन में जिज्ञासा बढ़ती है और नई खोजों के लिए प्रेरणा मिलती है।

सड़क हादसे में सैन्य परिवारों के सात सदस्यों की मौत

संचार जगत



नई दिल्ली। गुजरात के कच्छ जिले में भुज-खावड़ा नेशनल हाईवे पर एक कार के ट्रेलर ट्रक से टकराने से सेना के जवानों के परिवारों के सात सदस्यों की मौत हो गई। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रविवार को इस घटना पर शोक व्यक्त किया और जान गंवाने वालों के परिजनों को 2-2 लाख रुपये की अनुग्रह राशि और घायलों को 50 हजार रुपये देने की घोषणा की। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने भी हादसे पर दुख जताया। इस हादसे पर राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु, गृह मंत्री अमित शाह और उत्तराखंड, दिल्ली और मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री ने दुख जताया है।

जयपुर पुलिस को मिले 10 नए पेट्रोलिंग वाहन

संचार जगत



जयपुर। शहर में पुलिस गश्त व्यवस्था को मजबूत करने और अपराध नियंत्रण को अधिक प्रभावी बनाने के लिए पुलिस को 10 नए पेट्रोलिंग वाहन उपलब्ध कराए गए हैं। रविवार को पुलिस थाना करधनी पश्चिम परिसर में आयोजित समारोह में उद्योग एवं वाणिज्य मंत्री कर्नल राज्यवर्धन सिंह राठौड़ और जयपुर पुलिस कमिश्नर सचिन मित्तल ने हरी झंडी दिखाकर वाहनों को रवाना किया। ये वाहन झोटवाड़ा विधानसभा क्षेत्र के 10 पुलिस थानों को उपलब्ध कराए गए हैं। इस दौरान कर्नल राज्यवर्धन सिंह राठौड़ ने कहा कि जयपुर पुलिस अपराध नियंत्रण और कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए सराहनीय कार्य कर रही है। पुलिस कमिश्नर सचिन मित्तल ने कहा कि नए पेट्रोलिंग वाहनों से विभिन्न थाना क्षेत्रों में पुलिस की गश्त व्यवस्था अधिक प्रभावी होगी। नए वाहनों के संचालन से जयपुर पुलिस की गश्त व्यवस्था को गति मिलने और नागरिक सुरक्षा एवं कानून-व्यवस्था को अधिक प्रभावी बनाने की उम्मीद है।

प्रवासी राजस्थानी दिवस की तैयारियों को लेकर मुख्य सचिव ने ली बैठक

8 से 10 दिसंबर तक शेखावाटी हेरिटेज, सांस्कृतिक संध्या और प्रवासी राजस्थानी दिवस के होंगे विशेष आयोजन

संचार जगत



जयपुर। प्रवासी राजस्थानी दिवस के उपलक्ष्य में 8 से 10 दिसंबर तक आयोजित होने वाले तीन दिवसीय विशेष आयोजनों की तैयारियों एवं रूपरेखा को लेकर मुख्य सचिव वी. श्रीनिवास ने रविवार को शासन सचिवालय में बैठक ली। उन्होंने आयोजनों की तैयारियों की समीक्षा करते हुए इनके सुव्यवस्थित आयोजन तथा राजस्थान की सांस्कृतिक विरासत, विकास यात्रा और निवेश की संभावनाओं को लेकर चर्चा की।

तीन दिवसीय आयोजनों में शेखावाटी हेरिटेज, सांस्कृतिक संध्या और प्रवासी राजस्थानी दिवस प्रमुख आकर्षण होंगे। यह कार्यक्रम भारतीय उद्योग संघ (सीआईआई) के सहयोग से आयोजित किया जायेगा। इन आयोजनों के माध्यम से राजस्थान को वैश्विक निवेश, औद्योगिक साझेदारी, पर्यटन और अंतरराष्ट्रीय संपर्क के प्रमुख केंद्र के रूप में स्थापित करने के प्रयासों को नई गति मिलेगी। तीन दिवसीय आयोजनों की शुरुआत 8 दिसंबर को झुंझुनूं जिले के खेतड़ी स्थित अभयगढ़ में आयोजित होने वाले शेखावाटी हेरिटेज कार्यक्रम से होगी। इसके माध्यम से शेखावाटी क्षेत्र की ऐतिहासिक हवेलियों, विशिष्ट स्थापत्य कला, समृद्ध सांस्कृतिक विरासत और पर्यटन की अपार संभावनाओं को वैश्विक पहचान दिलाने पर विशेष जोर रहेगा। यह पहल क्षेत्र की विरासत को पर्यटन एवं आर्थिक गतिविधियों से जोड़ने की दिशा में महत्वपूर्ण साबित होगी। इसी क्रम में 9 दिसंबर को जयपुर स्थित राजस्थान इंटरनेशनल सेंटर (आरआईसी) में भव्य सांस्कृतिक संध्या आयोजित की जाएगी। इसमें राजस्थान फाउंडेशन के 25 देशों में कार्यरत अध्यक्षों का स्वागत किया जाएगा। इस आयोजन के माध्यम से प्रवासी राजस्थानियों को अपनी माटी, संस्कृति और परंपराओं से जोड़ने के साथ ही अंतरराष्ट्रीय स्तर पर प्रदेश की सांस्कृतिक पहचान को प्रदर्शित किया जाएगा। तीन दिवसीय आयोजनों का प्रमुख आकर्षण 10 दिसंबर को प्रवासी राजस्थानी दिवस पर जयपुर एग्जीबिशन एंड कन्वेंशन सेंटर (जेईसीसी) में आयोजित होगा। कार्यक्रम में उद्योग, ऊर्जा, पर्यटन, प्रवासी राजस्थानी, खनन और नगरीय विकास सहित छह प्रमुख क्षेत्रों पर सेक्टोरल सत्र आयोजित किए जाएंगे। इन सत्रों में संबंधित क्षेत्रों की निवेश संभावनाओं, नीतिगत अवसरों, औद्योगिक विकास और भविष्य की कार्ययोजनाओं पर चर्चा होगी।

विरासत संरक्षण की समीक्षा बैठक आयोजित



संचार जगत

जयपुर। विश्व धरोहर विरासत के संरक्षण, संवर्धन एवं बेहतर प्रबंधन को लेकर शासन सचिव, स्वायत्त शासन विभाग रवि जैन ने तकनीकी विरासत समिति की बैठक ली। बैठक में यूनेस्को को प्रस्तुत की जाने वाली स्टेट ऑफ कंजर्वेशन रिपोर्ट 2026-27 की समीक्षा करते हुए आवश्यक दिशा-निर्देश प्रदान किए गए। जैन ने कहा कि जयपुर की ऐतिहासिक एवं सांस्कृतिक विरासत का संरक्षण राज्य सरकार की प्राथमिकता है। उन्होंने निर्देश दिए कि यूनेस्को को प्रस्तुत की जाने वाली एसओसी रिपोर्ट में सभी आवश्यक तथ्यों एवं संरक्षण संबंधी कार्यों को समुचित रूप से शामिल किया जाए। उन्होंने विरासत स्थलों की स्वच्छता एवं सुंदरता बनाए रखने पर विशेष जोर देते हुए कहा कि इन ऐतिहासिक स्थलों पर आने वाले देशी-विदेशी पर्यटकों को बेहतर एवं सुखद अनुभव मिलना चाहिए। इसके लिए नियमित साफ-सफाई, सुव्यवस्थित प्रबंधन एवं आवश्यक सुविधाओं को बेहतर बनाने के निर्देश दिए।

इजरायल में नई सरकार बनाने की कवायद तेज

संचार जगत



तेल अवीव। इजरायल में राष्ट्रीय एकता सरकार के गठन को लेकर राजनीतिक हलचल तेज हो गई है। प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू की लिकुड पार्टी ने संभावित गठबंधन सरकार में शामिल होने के लिए कई शर्तें रखी हैं। इनमें गाजा पट्टी, लेबनान और सीरिया में युद्ध के दौरान स्थापित किए गए इजरायली सुरक्षा क्षेत्रों को बरकरार रखने की प्रतिबद्धता भी शामिल है। यह घटनाक्रम उस समय सामने आया है, जब गादी आइजेनकोट की याशर पार्टी ने शनिवार को लिकुड को व्यापक राष्ट्रीय एकता सरकार बनाने के लिए गठबंधन वार्ता शुरू करने का निमंत्रण दिया। याशर पार्टी ने कहा कि उसकी वार्ता टीम सरकार गठन की संभावनाएं तलाशने के लिए हर विकल्प पर विचार करेगी और बड़े फैसलों के जरिए राजनीतिक गतिरोध तोड़ने की कोशिश करेगी। लिकुड की प्रस्तावित शर्तों में इजरायल को यहूदी लोगों का नेशन-स्टेट मानने, फिलिस्तीनी राष्ट्र की स्थापना को खारिज करने और अति-रूढ़िवादी यहूदी छात्रों की सैन्य सेवा से जुड़े मुद्दे पर सहमति बनाने की मांग भी शामिल है। पूर्व सैन्य प्रमुख आइजेनकोट के पास सरकार बनाने के लिए छह दिसंबर तक का समय है। राष्ट्रपति उन्हें जरूरत पड़ने पर दो सप्ताह तक का अतिरिक्त समय दे सकते हैं। 27 अक्टूबर को हुए चुनाव में नेतन्याहू विरोधी दलों ने संसद की 120 सीटों में से 67 सीटें हासिल की थीं। हालांकि, इस संख्या में अरब पार्टियों की 19 सीटें भी शामिल हैं। आइजेनकोट के संभावित गठबंधन के कुछ सहयोगी इन दलों के समर्थन को स्वीकार करने के पक्ष में नहीं हैं।

जोधपुर की ऐतिहासिक धरोहर लेट्स ड्रॉ परियोजना ने रंगों से सजाई विरासत

संचार जगत



जोधपुर। जोधपुर की ऐतिहासिक धरोहर महिला बाग का झालरा कला, तकनीक और रचनात्मक कल्पनाओं के अनूठे संगम का साक्षी बना। मौक़ा था पब्लिक आर्ट ट्रस्ट ओफ़ इंडिया, अलायंस फ्रांसेज़, जोधपुर नगर निगम, द जोधपुर लॉर के सहयोग से आयोजित कार्यक्रम का। फ्रांसीसी कलाकार मैक्सिम टूरूट की सहभागी डिजिटल कला परियोजना लेट्स ड्रॉ के तहत झालरा की दीवारों पर विशाल डिजिटल कलाकृति का प्रदर्शन किया गया। कार्यक्रम का उद्घाटन भारत में फ्रांस के राजदूत डॉ. थियरी माथू ने किया। डिजिटल नवम्बर और लेट्स ड्रॉ फ्रांस और भारत के बीच नवाचार, कला और सांस्कृतिक साझेदारी को आगे बढ़ाने की पहल है, जिसे जोधपुर की ऐतिहासिक विरासत के बीच एक सार्वजनिक और सहभागी कला अनुभव के रूप में प्रस्तुत किया गया। इस आयोजन के अंतर्गत सुमेर स्कूल में कला, मनोविज्ञान एवं डिजाइन के विद्यार्थियों के लिए विशेष कार्यशाला भी आयोजित की गई, जिसमें डिजिटल माध्यमों से कलात्मक अभिव्यक्ति और रचनात्मकता को समझने का अवसर मिला। प्रतिभागियों ने अपने मोबाइल फोन के जरिए चित्र बनाकर डिजिटल कलाकृति का हिस्सा बने, जो ऐतिहासिक स्थल की दीवारों पर जीवंत रूप में उभरे।

कोटा-उदयपुर नेशनल हाईवे पर भीषण सड़क हादसा

एक ही परिवार के 9 लोगों की मौत, 6 घायल

संचार जगत



कोटा। कोटा-उदयपुर नेशनल हाईवे पर शुक्रवार-शनिवार की दरमियानी रात करीब दो बजे एक दर्दनाक सड़क हादसे में बच्चों समेत एक ही परिवार के 9 लोगों की मौत हो गई, जबकि 6 अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए। यह हादसा कोटा के शंभूपुरा गांव के पास उस समय हुआ, जब महाराष्ट्र के एक ही परिवार के 15 सदस्यों को लेकर जा रही तेज रफ्तार क्रूजर गाड़ी सड़क किनारे खड़े एक ट्रक से जा टकराई। ये सभी श्रद्धालु राजस्थान में खाटू श्यामजी के दर्शन कर अपने घर लौट रहे थे। प्रारंभिक जांच के अनुसार, दुर्घटना गाड़ी चालक की लापरवाही और ड्राइविंग के दौरान उसे झपकी आ जाने के कारण हुई। दुर्घटना में घायल हुए 6 लोगों को एम्बुलेंस की मदद से कोटा के न्यू मेडिकल कॉलेज अस्पताल पहुंचाया गया है, जहां उनका उपचार जारी है। घायलों की समुचित देखभाल के लिए अस्पताल प्रशासन की ओर से एक विशेष मेडिकल टीम तैनात की गई है। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु, उपराष्ट्रपति सीपी राधाकृष्णन और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने राजस्थान के कोटा में खाटूश्यामजी के दर्शन कर लौट रहे 9 श्रद्धालुओं की मौत पर शोक व्यक्त किया है। उन्होंने घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना की। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, केंद्रीय मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत और राजस्थान के राज्यपाल हरिभाऊ बागडे, मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने इस सड़क हादसे पर दुख जताया है। सभी ने कोटा-उदयपुर हाईवे पर हुए भीषण सड़क हादसे पर गहरा शोक व्यक्त किया है। उन्होंने ईश्वर से मृतकों की पुण्यात्मा की शांति और शोक संतप्त परिजनों को यह दुःख सहन करने की शक्ति प्रदान करने की कामना की है। उन्होंने हादसे में घायलों के जल्द स्वस्थ होने की भी कामना की है। उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी, कांग्रेस नेता अशोक गहलोत, महाराष्ट्र की उपमुख्यमंत्री सुनेत्रा पवार ने भी सोशल मीडिया एक्स पर इस हादसे पर दुख जताया। प्रधानमंत्री मोदी ने पीड़ित परिवारों को 2-2 लाख रुपए का मुआवजा देने और घायलों को 50 हजार रुपए दिए जाने की घोषणा की है।

करीब चार माह से बंद पड़ा डायलिसिस सेंटर किया शुरू

चार माह से बंद डायलिसिस सेंटर, मरीजों की बढ़ी परेशानी

संचार जगत



बयाना। बयाना उपजिला अस्पताल में किडनी रोगियों को राहत देने के उद्देश्य से पीपीपी मोड पर शुरू किया गया डायलिसिस सेंटर करीब चार माह से बंद पड़ा है।

सेंटर पर ताला लटका हुआ है और लाखों रुपए की लागत से लगाई गई मशीनें धूल फांक रही हैं। इसके चलते क्षेत्र के किडनी रोगियों को उपचार के लिए भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। सेंटर बंद होने से मरीजों को करीब 45 किलोमीटर दूर जिला अस्पताल भरतपुर जाना पड़ रहा है।

वहीं, कई मरीज जयपुर सहित अन्य शहरों के निजी अस्पतालों में हजारों रुपए खर्च कर डायलिसिस कराने को मजबूर हैं। मरीजों ने बताया कि भरतपुर आने-जाने में काफी परेशानी होती है। वहां भी डायलिसिस के लिए घंटों इंतजार करना पड़ता है। उन्होंने बताया कि बयाना में सुविधा बंद होने के कारण जयपुर के निजी अस्पताल में उपचार कराना पड़ रहा है, जिससे आर्थिक बोझ बढ़ गया है।

पाकिस्तान,अफगानिस्तान बॉर्डर पर भूकंप से कांपी धरती



इस्लामाबाद। पाकिस्तान-अफगानिस्तान बॉर्डर पर रविवार की सुबह 4 तीव्रता का भूकंप आया, जबकि हिमाचल प्रदेश के शिमला जिले में 2.8 तीव्रता के झटके दर्ज किए गए। नेशनल सेंटर फॉर सीस्मोलॉजी के मुताबिक, दोनों जगह भूकंप सुबह के समय आए। इसकी गहराई जमीन से 13 किलोमीटर नीचे थी। जहां भूकंप आया वह जगह अफगानिस्तान की राजधानी काबुल से 202 किलोमीटर दक्षिण-दक्षिण पूर्व और पाकिस्तान की राजधानी इस्लामाबाद से 322 किलोमीटर पश्चिम-दक्षिण पश्चिम में थी। इसके अलावा, भूकंप का केंद्र जम्मू-कश्मीर के राजौरी से 430 किलोमीटर पश्चिम और गुलमर्ग से 452 किलोमीटर पश्चिम-दक्षिण पश्चिम में था।

स्वामित्व, प्रकाशक एवं संपादक : अवंतिका राठौड़ - पी.के. प्रिंटर्स एंड स्टेशनर्स, 31, राम मंदिर के पास, पटेल नगर, 22 गोदाम, जयपुर से मुद्रित एवं प्रकाशित। कार्यालय : जे-17, रमेश मार्ग, सी-स्कीम, जयपुर। संपर्क : 0141 463 7668
ई-मेल : sancharjagat@gmail.com| आरएनआई नं. : RAJHIN/2014/55262 समाचार चयन के लिए पीआरबी अधिनियम के तहत जिम्मेदार। न्यायाधिकार क्षेत्र : जयपुर महानगर।